जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया

8 अप्रैल, 2025

प्रेस विज्ञप्ति

सीपीआरएस, जामिया ने किए फिजियोथेरेपी अनुसंधान और प्रशिक्षण में अंतर-संस्थागत सहयोग के समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

7 अप्रैल, 2025 (सोमवार) को, फिजियोथेरेपी और पुनर्वास विज्ञान केंद्र (सीपीआरएस), जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने तीन प्रतिष्ठित फिजियोथेरेपी और पुनर्वास संस्थानों के साथ समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए, जो एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। जिन तीन संगठनों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए, वे हैं कृष्णा नगर, दिल्ली में मनोविकास चैरिटेबल सोसाइटी; नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसेबिलिटीज (एनआईएलडी), कोलकाता; और पंडित दीनदयाल उपाध्याय नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पर्सन्स विद फिजिकल डिसेबिलिटीज, नई दिल्ली। समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर समारोह विश्वविद्यालय के यासिर अराफात हॉल में आयोजित किया गया।

नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर लोकोमोटर डिसेबिलिटीज (एनआईएलडी) के निदेशक डॉ. ललित नारायण, पंडित दीनदयाल उपाध्याय नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर पर्सन्स विद फिजिकल डिसेबिलिटीज के निदेशक डॉ. जितेंद्र शर्मा और मनोविकास चैरिटेबल सोसाइटी के निदेशक डॉ. आलोक भुवन ने अपने-अपने संस्थानों की ओर से समझौते पर हस्ताक्षर किए।

जामिया के रजिस्ट्रार प्रो. मोहम्मद महताब आलम रिजवी ने जामिया का प्रतिनिधित्व करते हुए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। समारोह में जामिया के जीवन विज्ञान संकाय के डीन प्रो. मोहम्मद जाहिद अशरफ भी शामिल हुए। सीपीआरएस, जेएमआई के प्रो. सूरज कुमार ने सीपीआरएस, जेएमआई की मानद निदेशक प्रो. जुबिया वेकार के नेतृत्व में इस सहयोग को सुविधाजनक बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस भव्य अवसर पर सीपीआरएस, जेएमआई के सभी संकाय सदस्य भी मौजूद थे।

इस सहयोग का प्राथमिक उद्देश्य साक्ष्य-आधारित अनुसंधान, नैदानिक प्रशिक्षण और वैश्विक शैक्षणिक साझेदारी को एकीकृत करके फिजियोथेरेपी और पुनर्वास विज्ञान के क्षेत्र में अंतःविषय उत्कृष्टता को बढ़ावा देना है। इन समझौता ज्ञापनों के माध्यम से, जेएमआई में फिजियोथेरेपी और पुनर्वास विज्ञान केंद्र सिद्धांत और व्यवहार के बीच की खाई को पाटना चाहता है, सार्थक शैक्षणिक आदान-प्रदान और सहयोगी लर्निंग के अवसर पैदा करना चाहता है और इसका उद्देश्य नींद, दर्द, कार्डियोपल्मोनरी, आर्थोपेडिक, न्यूरोलॉजिकल, बाल चिकित्सा और एथलेटिक रिहेबिलिटेशन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में उच्च गुणवत्ता वाले अनुसंधान और नैदानिक नवाचारों को बढ़ावा देना है, साथ ही व्यापक प्रदर्शन और क्षमता निर्माण पहलों के माध्यम से छात्रों और संकाय दोनों को सशक्त बनाना है।

इन समझौता ज्ञापनों का लक्ष्य छात्रों के लिए नैदानिक पोस्टिंग और इंटर्नशिप, फिजियोथेरेपी पुनर्वास और विकलांगता अध्ययन में सहयोगी अनुसंधान पहल, संकाय आदान-प्रदान और सह-मार्गदर्शन के अवसर, संयुक्त कार्यशालाएं, सेमिनार और प्रशिक्षण कार्यक्रम और इन संस्थानों के बीच साझा तकनीकी और अवसंरचनात्मक सहायता पर ध्यान केंद्रित करते हुए रणनीतिक साझेदारी स्थापित करना है।

यह सहयोग अंतःविषयक शिक्षा को बढ़ावा देने और देश भर में समावेशी स्वास्थ्य सेवा शिक्षा और सेवाओं को मजबूत करने के लिए जामिया की प्रतिबद्धता को भी दर्शाता है।

जनसंपर्क कार्यालय
जामिया मिल्लिया इस्लामिया